स्त्री सम्मान एवं सशक्तिकरण

नाम - कामिनी पन्त
D.O.B - 12/09/2004
माता का नाम - श्रीमती हेमा पन्त
पिता का नाम - श्री हेम पन्त
गाँव का नाम - खन्तोली
जनपद का नाम - बागेश्वर
विद्यालय का नाम - G.G.I.C Kandu Bageshwar
कक्षा - 12th
संपर्क नं० 8057968630

8.5/10

संकेत बिन्दु -

1). प्रस्तावना
2). महिला सशक्तिकरण का अर्थ
3). भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता
4). महिलाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका
5). महिला सशक्तिकरण के लाभ
6). उपसंहार

1. प्रस्तावना -

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तिकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि - ग्रंथों में नारी के महत्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:" अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

लेकिन विडम्बना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तिकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरे वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती है।

अपने देश में उच्च स्तर की लैंगिक असमानता है। नारी नारी सशक्तिकरण का असली अर्थ तब समझ में आयेगा जब भारत में उन्हें अच्छी शिक्षा दी जाएगी और उन्हें इस काबिल बनाया जाएगा कि वो हर क्षेत्र में स्वतंत्र होकर फैसले कर सकें।

2. महिला सशक्तिकरण का अर्थ -

स्त्री को सृजन की शक्ति माना जाता है अर्थात स्त्री से ही मानव जाति का अस्तित्व माना गया है, इस सृजन की शक्ति को विकसित परिष्कृति कर उसे सामाजिक, आर्थिक, विचार, विश्वास, धर्म और अवसर की समानता का सु-अवसर प्रदान करना ही नारी -

सशक्तिकरण का आशय है।
दूसरे शब्दों में - "महिलाओं के सामाजिक स्वतंत्रता और आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है।

3- भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता

भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता के बहुत कारण सामने आते हैं। प्राचीन काल के अपेक्षा मध्य काल में भारतीय महिलाओं के सम्मान स्तर में काफी कमी आयी, जितना सम्मान उन्हें प्राचीन काल में दिया जाता था, मध्य काल में वह सम्मान घटने लगा था।

(1) आधुनिक युग में कई भारतीय महिलाएं कई सारे महत्वपूर्ण राजनैतिक तथा प्रशासनिक पदों पर पदस्थ हैं, फिर भी सामान्य ग्रामीण महिलाएँ आज भी अपने घरों में रहने के लिए बाध्य है और उन्हें सामान्य स्वास्थ्य सुविधा और शिक्षा जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं है।

(2) भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता का एक और मुख्य कारण भुगतान में असमानता भी है। एक अध्ययन में सामने आया है कि समान अनुभव और योग्यता के बावजूद भी भारत में महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा 20% कम भुगतान दिया जाता है।

4- महिलाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका -

बदलते समय के साथ आधुनिक युग की नारी पढ़-लिख कर स्वतंत्र है। वह अपने अधिकारों के प्रति सजग है तथा स्वयं अपना निर्णय लेती है, अब वह चारदीवारी से बाहर निकलकर देश के लिए विशेष महत्वपूर्ण कार्य करती है, महिलाएँ हमारे देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा है। इसी वजह से राष्ट्र के विकास के महान काम में भी महिलाओं की भूमिका और योगदान को पूरी तरह और सही परिप्रेक्ष्य में रखकर ही राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आज की महिला पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिला कर बड़े से बड़े कार्यक्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। फिर चाहे कम मजदूरी का हो या अंतरिक्ष में जाने का। महिलाएँ अपनी योग्यता हर क्षेत्र में साबित कर रही है।

5- महिला सशक्तिकरण के लाभ -

महिला सशक्तिकरण के बिना व समाज में नारी को वह स्थान नहीं मिल सका जिसकी वह हमेशा से हकदार रही है, बन्धनों से मुक्त होकर अपने निर्णय

खुद नहीं ले सकती है, स्त्री सशक्तिकरण के अभाव में वह इस योग्य नहीं बन सकती कि स्वयं अपनी निजी स्वतंत्रता और अपने फैसलों पर अधिकार पा सके।

महिलाओं सशक्तिकरण के कारण महिलाओं की जिन्दगी में बहुत से बदलाव हुए।

1) महिलाओं ने हर कार्य में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना शुरू किया है।
2) महिलाएँ अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले खुद कर रही हैं।
3) पुरुष भी अब महिलाओं को समझने लगे हैं।

6- **उपसंहार** :- जिस तरह से भारत आज दुनिया के सबसे तेज आर्थिक तरक्की प्राप्त करने वाले देशों में शुमार हुआ है, उसे देखते हुए निकट भविष्य में भारत को महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने पर भी ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी नारी जीवन में सुखद संभावनाओं की सदी है, की सदी है, महिलाएँ अब हर क्षेत्र में आने लगी हैं, आज की नारी अब जाग्रत और सक्रीय हो चुकी है, किसी ने बहुत अच्छी बात कही है "नारी जब अपने ऊपर थोपी हुई बेड़ियों एवं कड़ियों को तोड़ने लगेगी, तो विश्व की कोई शक्ति उसे नहीं रोक पाएगी।" यह एक सुखद संकेत है, लोगों की सोच बदल रही है, फिर भी इस दिशा में और भी प्रयास करने की आवश्यकता है।

धन्यवाद

I Date: / /

नाम - शिवानी कुमारी
पिताजी - श्री शिवकुमार
माताजी - श्रीमती बबली देवी
जनपद - हरिद्वार
ग्राम - टिकौला कलाँ
संपर्क - 8194012833
विद्यालय - श्री सत्य नारायण मन्दिर इण्टर कॉलेज (मखदुमपुर)
जन्म तिथि - 08/04/2004
कक्षा - 12th

Principal

8.5/10

स्त्री सम्मान एवं सशक्तिकरण

नारी का सदा सम्मान होना चाहिए जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते है।

हम सबकी यही
पुकार नारी को
दो शिक्षा का
अधिकार

Date: / /

आज हम देखते है कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है उसे भोग की परतु समझकर आदमी अपने तरीको से इस्तेमाल कर रहा है ये बेहद चिंताजनक बात है नारी का सम्मान ही सब जग का सम्मान होता है नारी का सम्मान इस प्रकार भी कर सकते है नारी का सबसे पवित्र रूप माँ के रूप मे देखने को आता है।

कोई भी देश तरक्की के
शिखर पर तब तक
नही पहुंच सकता
जब तक उसकी
महिलाएं कंधे से
कंधा मिलाकर
ना चले।

माता यानी जननी माँ को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है किन्तु बदलते समय के हिसाब से संतानो ने अपनी माँ को महत्व देना कम कर दिया है यह बहुत ही चिंताजनक पहलू है सब धन व स्वार्थ मे डूबते जा रहे है अगर आजकल की लड़कियो पर नजर डाले तो वह बहुत ही बाजी मार रही है किसी भी कार्य को करने मे अपने को सशक्त बना रही लड़किया कोई भी कार्य कर सकती है चाहे बैंको के कार्यो और डॉक्टर, पुलिस, टीचर सब कार्यो को करने मे सहभाग है। महिलाएं

Date: / /

तथा और भी अन्य तथा सभी कार्यों को करने मे सक्षम है महिलाएं विभिन्न परीक्षाओ मे भी ज्यादातर लड़कियाँ ही बाजी मार रही है।

माँ लक्ष्मी माँ सरस्वती की
चाहे कितनी भी पूजा कर
ले या फिर 9 दिन का अखंड
उपवास रख ले लेकिन अगर
नारी की इज्जत करना ही
नही सिखोगे तो सब
बेकार है।

किसी समय इन्हे कमजोर समझा जाता था। किन्तु इन्होंने अपनी मेहनत और शक्ति के बल पर हर क्षेत्र मे विजय प्राप्त की हमे इस प्रतिभा का सदैव सम्मान करना चाहिए नारी का सम्मान ही जग मे ईश्वर की भाती माना है आज के आधुनिक युग मे स्त्री पुरुषो की अपेक्षा ज्यादा काबिल होती जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र मे भी ज्यादातर स्त्री ही बुद्धिमान होती है स्त्री का सम्मान ही स्त्री की सबसे बड़ी खुशी समझी जाती है पहले तो स्त्रीयो को बोझ माना जाता था। फिर समय के इस बदलते दौर मे स्त्री ही सब कुछ करने का नया ही इतिहास बना रही है। खेलो मे भी आगे बढ़ रही है चाहे वो खेल क्रिकेट हो या अन्य बहुत से खेलो मे भी बाजी मार रही

Date: / /

स्त्रीगी का सम्मान हर व्यक्ति को करना चाहिए वो ही व्यक्ति अच्छा होगा जो स्त्रीयो का सम्मान करेगा। महिलाओ को सभी प्रकार के अधिकार प्राप्त है। चाहे वो अधिकार शिक्षा के क्षेत्र के हो या फिर बाल - विवाह जैसी प्रथा को इन सभी को रोकने का अधिकार भी है। सभी को समान अधिकार प्राप्त होने से ही स्त्रीयां आज सशक्त बनी है।

हजारो फुल चाहिए एक माला
बनाने के लिए हजारो
दीपक चाहिए एक आरती
सजाने के लिए हजारो
बून्द चाहिए समुद्र बनाने
के लिए पर एक स्त्री
ही काफी है घर
को स्वर्ग बनाने के
लिए।

महिलाओ का सदा सम्मान करना चाहिए महिलाएँ ही ईश्वर का रूप होती है। महिलाओं को सम्मान से बढ़कर कुछ नही चाहिए होता है। महिलाएँ तो ईश्वर का रूप होती है।

हम सब की यही
पुकार स्त्री को
दो सम्मान।

Protection Of Natural Environment

Nature has provided us numerous gifts such as air, water, land, sunlight, minerals, plants and animals. All these gifts of nature make our earth a place worth living. Existence on Earth would not be possible without any of these. Now, while these natural resources are present on Earth in plenty. Unfortunately, the necessity of most of these has increased extremely over the centuries due to growth in human population.

The environment contains under it the lithosphere, the atmosphere, the biosphere and the hydrosphere. The lithosphere refers to land surrounding us, hydrosphere contains all water bodies surrounding us, the atmosphere contains all the gaseous fluids around us. Land, water and air pollution are the main reason behind the degradation of the environment.

Environment protection implies taking care of and rescuing the environment protection should be spread the familiar people should know about the need and requirements of environment protection.

Environment degradation can be kept under check in some ways. People should be encouraged to plant trees. Forest and vegetations are being cleared extensively for farming and construction purpose. It has led to the depletion of forest resources by humans in large quantity. The number of trees has diminished to a great extent. Trees are our only source of oxygen

available in the air. This puts the entire humanity at risk. By facilitating the growth of trees, the greenery can be restored. The loss made can be compensated.

To protect the environment, the pollution rates should be decreased. Air, land, and water pollution needs to be kept under check. Utmost care should be taken while disposing of wastes on water prices, reduced use of vehicles and transportation can help reduce air pollution, careless dumping of solid wastes on the ground can be decreased to regulate land pollution.

Saving water is yet another effective measure for environmental protection. Water is a vital resource, and it is essential for survival. The amount of fresh drinkable water on the earth is very less when compared to the enormous population. Water should thus be saved. The demand for water increases leaps and bounds, while its supply keeps decreasing. Hence wastage and excessive use of water should be curtailed.

Waste management is yet another tenet. Management of waste implies proper disposal of trash. Practices such as dumping of untreated wastes on water bodies and land should be stopped. Appropriate waste bins, sewer system and garbage dumps should be present, where people can get rid of the waste. The municipality should adequately treat it.

Conclusion:-

Thus, the number of ways in which to bring about environment management is numerous. People need to be more aware and responsible. They should understand the urgent need to be careful in their day-to-day dealings

with nature and the environment. They should be more cautious.

① Name:- Shivly Nandi
② Date of Birth:- 16 August 2005
③ Mother's Name- Mrs. Anjali Nandi
④ Father's Name- Mr. S.N. Nandi
⑤ Home / Town- Rudrapur
⑥ District Name- Udham Singh Nagar.
⑦ School Name- Jaycees Public School.
⑧ Class - 10th
⑨ Contact No- 8077440897
⑩ E-mail ID- anjalinandi168@gmail.com.